डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 38 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 17 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रात 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

कलेक्टर ने दी चेतावनी....

मतदान के लिए अवकाश नहीं दिया तो होगी कानूनी कार्रवाई

नीमच, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मतदान के दिन किसी संस्था फैक्टरी कारख़ाने अथवा ऐसे संस्थान जहाँ बड़े पैमाने पर कर्मचारी कार्यरत हैं, वहाँ मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश नहीं दिए जाने पर जिला प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री दिनेश जैन ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि ऐसे संस्थानों में फ्लाइंग स्क्वॉड के माध्यम से 17 नवंबर को रैंडम चेकिंग की जाएगी। यदि यह पाया गया कि कर्मचारियों को मतदान के लिए अवकाश नहीं दिया गया है तो ऐसे संस्थानों के मालिकों के विरुद्ध पुलिस में एफ़आइआर भी दर्ज की जाएगी और पीपल्स रिप्रेजेंटेटिव एक्ट तथा अन्य संगत अधिनियमों के तहत क़ानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मंदसौर विधानसभा

मल्हारगढ़ विधानसभा

श्याम, दलौदा और जैन वोटर पर टिका परिणाम...

दो विधानसभा क्षेत्र, तीन फैक्टर

[मल्हारगढ़-मंदसौर में तनाव ज्यादा]

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आज मतदाता अपना निर्णय ईवीएम को बताएगा, जो 3 दिसंबर को सार्वजनिक होगा। वैसे तो जिले की चार विस क्षेत्र में सभी जगहों पर मुकाबला कशमकश का है। लेकिन, प्रत्याशियों को तनाव सबसे ज्यादा मंदसौर और मल्हारगढ़ में है। क्योंकि, यहां कोई गणित अभी तक काम नहीं कर पा रहा है। कारण है मल्हारगढ़ में निर्दलीय प्रत्याशी श्यामलाल जोकचंद। वहीं मंदसौर की बात करें तो जैन वोटर और दलौदा का रुख चुनाव परिणाम में खासी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

यहां अभी तक भाजपा प्लस...

मंदसौर विस में जैन वोटरों और दलौदा की बात करें तो यहां से भाजपा को हमेशा फायदा हुआ है। अब मसला यह है कि इस बार कांग्रेस ने जैन समाज से ताल्लुक रखने वाले प्रत्याशी को मैदान में उतारा है। मतलब विपीन जैन का मुकाबला भाजपा के यशपाल सिंह सिसौदिया से हैं। यह समझ से परे हैं कि जैन समाज के वोटर भाजपा के साथ रहेंगे या पाला बदलकर समाज के व्यक्ति का साथ देगे। इधर बात करें दलौदा की तो यहां भाजपा अधिकांश बार बढ़त बनाकर विजयी हुई है। लेकिन, विपीन जैन यहां से सरपंच रह चुके हैं। जिस तरह से यशपाल सिंह से दलौदा की जनता वाकीफ है वहीं विपीन जैन को भी पहचानती है। इन दोनों फैक्टर में बढ़त चुनाव परिणाम पर खासा प्रभाव डालेगी।

2008 में महज 1500 से हार-जीत, स्थिति वही...

पिछले चुनाव में यशपाल सिंह सिसौदिया ने कांग्रेस के नरेंद्र नाहटा को करीब 18 हजार मतों से हराया था। इसके पहले 2014 में महेंद्रसिंह गुर्जर करीब 25 हजार मतों से चुनाव हारे थे। लेकिन, इस बार स्थिति 2008 के चुनाव जैसी बन रही है। उस समय कांग्रेस की वरिष्ठनेत्री मीनाक्षी नटराजन के समर्थक माने जाने वाले महेंद्रसिंह गुर्जर को कांग्रेस ने मैदान में उतारा था। चेहरा नया था और विस चुनाव के नजरिए से अनुभवहीन था। यहां किसी भी पार्टी के पक्ष में कोई लहर कम से कम मंदसौर विस क्षेत्र में नहीं थी। परिणाम था लगभग 1500 मतों की छोटी सी जीत यशपाल सिंह को मिली थी। इस बार भी स्थिति वही है। न लहर है और मंदसौर के लिए नए चेहरे विपीन जैन के पास विस चुनाव को लेकर कोई अनुभव भी नहीं है। मतलब मुकाबला कांटे का माना जा सकता है।

इधर देवड़ा-परशुराम भी कन्फ्यूज...

बात करें मल्हारगढ़ की तो यहां निर्दलीय उम्मीद्वार श्यामलाल जोकचंद ने खासा कनफ्यूज कर दिया है। इतिहास रहा है कि कोई निर्दलीय अभी तक संसदीय क्षेत्र में नहीं जीता। लेकिन, जिस तरह से श्यामलाल ने मेहनत की है। उससे कहीं न कहीं दोनों ही प्रमुख दलों के प्रत्याशियों में कन्फ्यूजन है। साथ ही जनता और जनता के बीच चल रही चर्चाएं भी कन्फ्यूज है। यहां श्यामलाल, परशुराम और जगदीश देवड़ा तीनों के ही नाम जनता की चर्चाओं में है। अगर इतिहास कायम रहा तो निर्दलीय श्यामलाल किस दल को नुकसान पहुंचाएगे, यह देखना होगा। क्योंकि, पिछली बार वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा के सामने परशुराम मात्र 11 हजार मतों से ही हारे थे।

सुवासरा विधानसभा

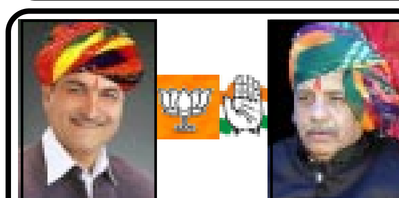
गरोठ विधानसभा

बाकी जगहों पर दु..पे..दु....

इधर बात करें गरोठ और सुवासरा विधानसभा की तो गरोठ में भाजपा के चंदरसिंह सिसौदिया और कांग्रेस के सुभाष सोजतिया आमने-सामने है। यहां पहले भी दोनों विस चुनाव में आमने-सामने रह चुके हैं। यहां निर्दलीय या अन्य कोई फैक्टर नहीं है। जिसके कारण मुकाबला दोनों के बीच तगड़ा है। चंदरसिंह को उनका पिछला 3 वर्षीय कार्यकाल नुकसान दे सकता है। दूधाखेड़ी माता मंदिर जीर्णोद्धार भी इनके लिए नुकसानदायक होने की आशंका जताई जा रही है। उधर सुवासरा में कांग्रेस के राकेश पाटीदार और भाजपा से हरदीप सिंह डंग आमने-सामने हैं। यह दोनों चेहरे पहले भी आमने-सामने विस चुनाव में हो चुके हैं। यहां भी फिलहाल चुनाव में किसी के भी पक्ष में एक तरफा माहौल जैसी कोई बात नहीं है। जिसके कारण मुकाबला यहां भी तगड़ा है।

मंदसौर संसदीय क्षेत्र में नही रहा किसी एक दल का दबदबा

मंदसौर, 26 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आज शुक्रवार को लोकतंत्र के महापर्व के लिए मतदान करना है। मंदसौर संसदीय क्षेत्र में कभी भी किसी एक दल का दबदबा नहीं रहा। यहां कभी भाजपा का तो कभी कांग्रेस का दबदबा होता रहा। सरकार जिसकी भी रही, विधायकों या क्षेत्र के मंत्रियों ने दबदबा पूरे प्रदेश में बनाकर रखा। कुछ समय पहले का इतिहास देखे तो आंकड़े प्रदेश में संसदीय क्षेत्र की स्थिति को साफ बयां करते हैं।

1972 में कांग्रेस 7-0 से जीती...

क्लीन स्वीप का पहला मौका 1972 में आया था। जब कांग्रेस को सातों सीटों पर जीत मिली। मंदसौर से श्यामसुंदर पाटीदार, सीतामऊसे धनसुख लाल भाचावत, गरोठ से कस्तूरचंद समेत अविभाजित मंदसौर जिले के सभी उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। जनसंघ से सभी की हार हुई थी।

1998 में सातों सीटों पर कांग्रेस जीती, 3 मंत्री दिए...

1998 में दोनों जिलों की सातों सीटों पर कांग्रेस जीती। मनासा से नरेंद्र नाहटा मंत्री बने, जावद से घनश्याम पाटीदार, गरोठ से सुभाष सोजतिया मंत्री बने। दोनों जिलों की सातों सीटों को कांग्रेस ने 7-0 से क्लीन स्वीप किया, कांग्रेस को लगातार दूसरी बार क्लीन स्वीप का मौका मिला। यहां भाजपा के सभी दिग्गज नेताओं को हार झेलना पड़ी थी।

1977 में जनता पार्टी 7-0 से जीती, मंदसौर ने 2 सीएम दिए...

1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी थी और मंदसौर-नीमच की सभी सीटों पर 7-0 से कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ। इसी चुनाव में जनता पार्टी ने मंदसौर जिले से ही सुंदरलाल पटवा और वीरेंद्रकुमार सकलेचा जैसे दो विधायकों को सीएम बनने का मौका मिला था। कांग्रेस के तमाम प्रत्याशी हार गए थे।

2003 में सातों सीटों पर कमल खिला, 3 मंत्री हारे थे

2003 के चुनाव में मंदसौर-नीमच की सातों विधानसभा सीटों पर कमल खिला। खास बात यह रही कि अधिकांश भाजपा प्रत्याशी 25 हजार से ज्यादा मतों से जीते। कांग्रेस के मंत्री सुभाष सोजतिया, घनश्याम पाटीदार व नरेंद्र नाहटा भी हारे। सुवासरा में 35 हजार, मनासा में 25 हजार, मंदसौर में 22 हजार, गरोठ में 15 हजार, नीमच में 25 हजार मतों से कांग्रेस प्रत्याशी को हार झेलना पड़ी।

1990 में भाजपा 7-0 से जीती, मंदसौर से एक मंत्री दिया...

1990 में भाजपा 7-0 से जीती। मंदसौर से भाजपा से कैलाश चावला, सीतामऊसे नानालाल पाटीदार, गरोठ से राधेश्याम मांदलिया समेत सातों प्रत्याशी जीते। इस चुनाव में कांग्रेस के तमाम दिग्गज चुनाव हार गए थे। भाजपा दूसरी बार क्लीन स्वीप कर गई थी।

2018 में एक सीट गई, सरकार गिरने से वापिस लौटी...

वर्ष 2018 चुनाव में मंदसौर नीमच जिले की सिर्फ सुवासरा सीट पर कांग्रेस काबिज हुई थी। यहां हरदीप सिंह डंग ने भाजपा के राधेश्याम पाटीदार को हराया था। लेकिन, कांग्रेस सरकार गिरने के बाद उपचुनाव हुए। उपचुनाव में भाजपा का हाथ थाम चुके हरदीप सिंह डंग ने फिर से कांग्रेस के राकेश पाटीदार को हराया। इसके बाद मंत्री भी बन गए।

आज ईवीएम में कैद होगा जनता का फैसला, 3 दिसंबर को चलेगा पता, किसका भाग्य चमका

मतदान सामग्री के साथ दल पहुंचे मुकाम पर, 1 हजार 133 मतदान केंद्रों पर 4 हजार 532 मतदानकर्मी करवाएंगे वोटिंग

10 लाख से अधिक मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग...

जिले की मंदसौर विधानसभा में 15 पिंक बूथ, मल्हारगढ़ में पांच, सुवासरा में 10 एवं गरोठ में 10 पिंक बूथ बनाए गए हैं। जिले के 1133 मतदान केंद्रों पर 10 लाख 34 हजार 700 मतदाता आपमे मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 5 लाख 22 हजार 984 पुरुष और 5 लाख 11 हजार 704 महिला मतदाता है, वहीं थर्ड जेंडर की संख्या 12 हैं। 40 हजार 214 युवा मतदाता हैं, वहीं 80 से 100 वर्ष तक की उम्र के 14 हजार 441 बुजुर्ग मतदाता हैं।

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आज 17 नवंबर शुक्रवार को जनता जर्नादन अपना फैसला ईवीएम को बताएंगी। जो आगामी 3 दिसंबर को सार्वजनिक होगा। जिले में आज होने वाले मतदान के लिए गुरुवार को मंदसौर के पीजी कॉलेज से मतदान सामग्री के साथ मतदान दल रवाना हुए। जिले की चारों विधानसभाओं मंदसौर, सीतामऊ, मल्हारगढ और गरोठ पीजी कॉलेज से मतदान दलों को रवाना किया गया। आज (शुक्रवार को) सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होगी।

बता दे की जिले की मंदसौर, मल्हारगढ़, सुवासरा और गरोठ विधानसभा के 1 हजार 133 मतदान केंद्रों पर 4 हजार 532 मतदान कर्मी मतदान प्रक्रिया सम्पन्न करवाएंगे। रिजर्व मतदान कर्मियों सहित 4 हजार 984 मतदान कर्मी हैं। इनमें मंदसौर के 276 मतदान केंद्रों के लिए 304 मतदान दल, मल्हारगढ के 281 मतदान केंद्रों के लिए 309 मतदान दल, सुवासरा के 305 मतदान केंद्रों के लिए 335 मतदान दल एवं गरोठ के 271 मतदान केंद्रों के लिये 298 मतदान दलों को गुरुवार सुबह मतदान सामग्री के साथ रवाना किया गया। इन मतदान दलों में रिर्जव दल भी शामिल हैं।

धड़ल्ले से खप रही पॉलीथिन, माफिया सक्रिय

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पॉलीथिन को लेकर नगरपालिका के जिम्मेदार सक्रिय नहीं है। पहले तो कभी कभार नापाकर्मी कार्रवाई कर रहे थे। लेकिन, चुनाव के चक्कर में करीब तीन माह से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस अवधि में अमानक पॉलिथिन का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। इसके निर्माण, बिक्री और प्रयोग पर अब तक अंकुश नहीं लग सका है। पर्यावरण को पॉलिथिन के अंधाधुंध प्रयोग से नुकसान पहुंच रहा है। मगर सरकारी अमला इससे बेपरवाह हाथ पर हाथ धरे बैठा है।

बतादे की वर्ष 2016 में कोर्ट की ओर से पालीथीन के प्रयोग पर रोक के बाद भी इसका प्रयोग रुका नहीं। इसके बाद खुद सरकार ने पालीथीन के प्रयोग पर रोक लगा दी थी। लेकिन पॉलीथिन माफिया कार्रवाई के अभाव में जमकर पनप रहे हैं। शहर में 70 फीसदी दुकानों और हाथ ठेलों पर अमानक पालीथिन का उपयोग धड़ल्ले से जारी है। प्रशासन की समझाइश के बाद भी उपयोगकर्ता अभी भी आदेश का उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर अभी तक कोई कार्रवाई का प्रयास नहीं किया गया। कुछ प्रतिष्ठित दुकानदार ही मानक स्तर की पालीथिन का उपयोग कर रहे हैं।

पर्यावरण और मवेशियों को खतरा...

जहां प्लास्टिक के उपयोग से पर्यावरण को क्षति पहुंच रही है। वहीं इसके सेवन से मवेशियों की मौत हो रही है। ऐसे में लोगों से अपील, जागरूकता और नियमों व कार्रवाई के नाम पर पालीथिन के उपयोग को रोके जाने के प्रयास तो किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हालात वहीं के वहीं दिखाई देते है। हालात यह है कि प्रत्येक गली मोहल्ले से लेकर ग्रामीण अंचलों तक पालीथिन, प्लास्टिक, थर्माकोल के अंबार लगे हैं। इसके दुष्परिणाम वर्षों से सामने आ रहे है। लेकिन प्रशासनिक स्तर पर इसे जड़ से समाप्त करने के लिए आज तक कोई कदम नहीं उठाए गए। सबसे बड़ी और कड़वी सचाई यह है कि रोजाना नगर पालिका सैकड़ों क्विंटल कचरा उठाती है। उसमें से 10 फीसदी पालीथिन होती है। जिसे न तो नष्ट किया जा सकता है। न ही इसका दूसरा कोई भी इस्तेमाल फिलहाल है।

जुर्माने का प्रावधान...

पालीथिन के वजन के आधार पर जुर्माना लगता है। 100 ग्राम तक 500 रुपये, 500 ग्राम तक 1500 रुपये, आधा किलो से एक किलो तक 3 हजार, एक किलो से अधिक व पांच किलो तक 10 हजार, 5 से 10 किलोग्राम तक 20 हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान है।

यह हैं दुष्परिणाम...

✻ पालीथिन बैग सड़ने गलने वाली चीज नहीं है। अगर इसे जमीन में गाड़ते हैं तो यह नष्ट नहीं होगा। जलाने पर धुआं वातावरण को प्रदूषित करेगा। ✻ पालीथिन से नालियां जाम हो जाती हैं, नाली का पानी सड़क पर बहता है। ✻ पालीथिन पानी को भूमिगत होने से रोकती है। ✻ पालीथिन को मवेशी खाते हैं, जिसकी वजह से इनकी जान पर बन आती है। कई बार सर्जरी करके गाय के पेट से .बड़ी मात्रा में पॉलीथिन निकाली गई है।

प्रत्याशियों को सिर्फ तीन वाहन की ही अनुमति

जिसके नाम पर परमिशन उसका वाहन में होना जरूरी, पांच से ज्यादा लोग नहीं बैठ सकेंगे

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा का चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार आज मतदान के दिन 17 नवंबर को केवल 3 वाहन का ही उपयोग कर सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वाहनों के दुरुपयोग को रोकने, निर्वाचन अपराधों को नियंत्रित करने और मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक वाहनों से लाने-ले-जाने पर रोक लगाने के लिए इस तरह के निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कहा है कि विधानसभा चुनाव लड़ रहे हर उम्मीदवार को मतदान के दिन संपूर्ण विधानसभा क्षेत्र में किसी भी प्रकार के दो, तीन या चार पहिया वाहनों में से केवल तीन वाहनों के उपयोग की ही अनुमति होगी।

आयोग ने कहा है कि इसमें से एक वाहन का उपयोग उम्मीदवार खुद अपने लिए कर सकेगा। जबकि, दूसरे वाहन का उपयोग उसके निर्वाचन अभिकर्त्ता और तीसरे वाहन का उपयोग कार्यकर्ताओं के लिए किया जा सकेगा। तीन से अधिक वाहनों के संचालन की स्थिति में इसे भ्रष्ट आचरण माना जाएगा व निर्वाचन नियमों के तहत दोषी उम्मीदवार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि उम्मीदवारों को मतदान के दिन खुद के लिए, निर्वाचन अभिकर्ता के लिए और कार्यकर्ताओं के लिए प्रयुक्त किये जाने वाले तीनों वाहनों के लिए अग्रिम रूप से संबंधित रिटर्निंग अधिकारी या प्राधिकृत अधिकारी से अनुमति लेनी चाहिए। उम्मीदवारों को प्राप्त परमिशन पत्र वाहनों के विंड स्क्रीन पर चिपकाने के निर्देश दिये गये हैं । आयोग ने कहा कि इन अनुमति प्राप्त वाहनों में ड्राइवर सहित पांच से अधिक व्यक्ति सवार नहीं हो सकेंगे। इसी तरह उम्मीदवार या उसके चुनाव एजेंट की अनुपस्थिति में इन वाहनों का उपयोग नहीं किया जा सकेगा।

मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे...

आयोग ने कहा है कि इन निर्देशों के उल्लंघन की दशा मे बूथ हटा दिया जायेगा तथा आरोपी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। मतदान केंद्र से 200 मीटर परिधि मे किसी प्रकार का चुनाव प्रचार प्रतिबंधित रहेगा। ऑब्जर्वर, पुलिस अधिकारी आदि के अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को मोबाइल ले जाने या उपयोग करने की अनुमति नही होगी। बूथ पर नियुक्त व्यक्ति उस मतदान केंद्र का मतदाता होना चाहिए। उसके पास इपिक होना चाहिए जो पुलिस अथवा मजिस्ट्रेट के मांगे जाने पर दिखाना होगा। राजनैतिक दल और उम्मीदवार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है, उन्हें बूथ पर नियुक्त नहीं करें।

नरेंद्र तोमर की उफनती राजनीति पर उम्दा समय और वातावरण का मास्टर स्ट्रोक

मंदसौर/ उज्जैन, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश में जब से शिवराज मुख्यमंत्री हैं, स्थाई से नजर आने लगे हैं। बावजूद इसके जब- जब उनके विकल्प की बात चलती है तो सबसे पहला नाम उनके ही बाल सखा नरेंद्र सिंह तोमर का आता रहा है। भावी विधायकों के नेता के रूप में भी आ रहा था कि अचानक एक वीडियो कॉल ने सनसनी फैलाना शुरू कर दिया और चुनाव होने तक तो नरेंद्र तोमर को दौड़ से बाहर धकेल ही दिया। भाजपा की सरकार बनती भी है तो वह विकल्प नहीं रहे हैं। ऐसा दृश्य इसलिए नजर आ रहा है कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र विमोचन कार्यक्रम के मंच पर देश प्रदेश के बड़े नेताओं के साथ नरेंद्र सिंह तोमर नजर नहीं आए थे।

क्रिकेट में बहुत ही उच्च तकनीक से खेले गए शाट को विश्लेषक बेहतरीन टाइमिंग वाला शॉट कहते हैं। जिस पर चाह कर भी विपक्षी टीम रन बनने से रोक नहीं पाती है। लगातार एक से चार वीडियो सार्वजनिक किए जाने का समय और वातावरण भी ऐसे सटीक तालमेल पर आया है कि नरेंद्र तोमर की उफनती राजनीति को वापस बस्ते में समेटने के लिए काफी है। अभी इसे तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर फर्जी बताकर थाने पर मैं रिपोर्ट भी करा चुके हैं। हम भी नहीं कह रहे हैं सही है या गलत, पर समय और वातावरण की अनुकूलता का कोई भाजपाई ही उनके साथ खेला कर गया है। अभी देवेंद्र तोमर ने फर्जी वीडियो बता कर थाने में रिपोर्ट भी लिखा दी है।।

चन्द्रमोहन भगत

उधर जिस घर की वीडियो शूटिंग बताई जा रही है घर मलिक जगमन दीप सिंह वीडियो का कॉल उसी के घर से होना सच बता रहे हैं। यह भी बताया जा रहा है कि तोमर परिवार कनाडा में गांजा की खेती के लिए जमीन लेना चाहते हैं और मामला 10 हजार करोड़ तक का है। वीडियो में दिखने वाले दो ही लोग है। एक कनाडा वासी जगमन दीप सिंह दूसरे देवेंद्र सिंह तोमर जो वीडियो को गलत बता रहे हैं। जबकि, जगमन दीप सिंह बैंक के वाउचर गांजा पार्सल करने के दावे के साथ अपना नंबर और पता भी दे रहे हैं। ताकि जिस जांच एजेंसी को बात करना है वह कर ले। इन दिनों देश मे प्रचलन है कि किसी भी राजनेता पर वित्तीय गड़बड़ के आरोप लगते हैं या उनका नाम आने पर ईडी और सीबीआई छापे मारी शुरू कर देती है। ये अलग और पहला मामला है, जिसमें इन एजेंसियों को सांप सूंघ गया है। इस मामले में सांस तक नहीं ले पा रही है। क्योंकि उनके अपनों का मामला है। इसके विपरीत पूरे देश ने अनेकों बार लगातार देखा है कि किसी विरोधी का कोई सा भी छोटा या अस्पष्ट मामला भी हो जाता है तो ईडी, सीबीआई तुरंत सक्रिय होकर पहली कोशिश आरोपी को जैल भेजने की करते हैं। ताजा उदाहरण है मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जो जैल में है। प्रतिष्ठित नागरिक है भागेंगे भी नहीं, पर जमानत तक नहीं हो पा रही है।

बंगाल की संसद महुआ मोइत्रा ने अडानी के खिलाफ प्रश्न क्या उठाया संसद में, सरकारी एजेंसियां उन्हें घेरने में लग गई। यू ट्यूब, व्हाटसएप ऐसे समाचारों को देश के कोने-कोने तक पहुंचा रहे हैं। देखने वाले दर्शकों के मन में प्रश्न गहराता जा रहा है 10 हजार करोड़ और गांजे की खेती की चर्चा सार्वजनिक होने के बाद भी अभी तक किसी भी केंद्रीय एजेंसी ने नोटिस में नहीं लिया है ! और ना ही सरकार ने अपने मंत्री के लिए कोई बयान दिया है। ऐसी बातें इसलिए हो रही है कि जब भाजपा सरकार के मुखिया राजस्थान की लाल डायरी का अनेक बार जिक्र कर चुके हैं। महाराष्ट्र में एनसीपी को नेशनल करप्ट पार्टी कहते हैं। इतने छुपे हुए रहस्य को उजागर कर स्पष्ट करते हैं। जो स्पष्ट वीडियो कल से दृश्य दिखा सुना रहे हैं, उन पर संज्ञान क्यों नहीं लिया जा रहा है ? तब क्या और भी केंद्रीय मंत्रियों के कारनामों के वीडियो अगर उजागर हुए तब भी इतनी ही साफगोई से नजर अंदाज किया जाएगा ! क्या देश बिकने नहीं दूंगा का नारा देने वाले प्रधानमंत्री देश बेचने वालों के वीडियो आ जाने पर भी आंखें मूंदे रहेंगे ! ऐसे अनेक प्रश्न देशवासियों के मन में इसलिए उठ रहे हैं कि विपक्षियों का अगर कोई मामला जरा सा भी कहीं नजर आता है तब सरकारी एजेंसियां ईडी और सीबीआई तत्काल प्रभाव से कार्रवाई में लग जाती है। अचरज इस बात का है कि तब उन्हें जो आदेश देता है, वही अब क्यों आंखें मूंदे हैं। जबकि, यह सारे काम सरकारी अधिकारियों के अधीन है, सीधे दखल दे सकते हैं। पर, क्यों मुकदर्शक बने बैठे हैं ...?

विचार-मंथन

जेलों की निगरानी तंत्र पर सवालिया निशान

यह विडंबना ही रही है कि किसी अपराध के दोषी को जेल में सजा काटने के लिए भेजा जाता है, लेकिन वहां वह कई ऐसी सुविधाएं हासिल कर लेता है, जो गैरकानूनी होती हैं। यानी बाहर कानून को ताक पर रख कर वह किसी अपराध को अंजाम देता है और इसके बदले जब उसे सजा दी जाती है, तो वह जेल में भी वक्त काटने के लिए गैरकानूनी रास्ता ही अख्तियार करता है। इसे लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं कि कानून को धता बता कर जेल में बंद किसी कैदी को नियमों के खिलाफ मोबाइल फोन या टीवी जैसी अन्य सुविधाएं कैसे मिल जाती हैं और उसके लिए कौन जिम्मेदार है। आखिर जेल के भीतर किसी कैदी के पास अलग से निजी फोन या अन्य साधन पहुंचते कैसे हैं? जाहिर है, जेल की सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात तंत्र में किसी स्तर पर या तो चूक होती है या फिर किसी कर्मचारी की मिलीभगत, जिसकी वजह से कैदी के पास फोन पहुंचा दिया जाता है। यह स्थिति एक तरह से सुरक्षित चारदिवारी मानी जाने वाली जेलों के निगरानी तंत्र पर सवालिया निशान है। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस मसले से निपटने के लिए जेल कानून का एक नया मसविदा तैयार किया है, जिसमें कैदियों पर निगरानी के लिए प्रमुख रूप से तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। इस क्रम में एक अहम सुझाव यह है कि अगर किसी कैदी के पास मोबाइल फोन पाया जाता है तो उसे तीन साल के कारावास की सजा दी जाएगी। जेलों में अपराधियों के बीच हिंसक टकराव की अनेक घटनाओं को देखते हुए मसविदे में विभिन्न अपराध के कुछ दोषियों को उनकी प्रकृति और जोखिम के मुताबिक अलग-अलग रखने की बात भी कही गई है। प्रतिबंधित वस्तुओं की तलाश में कैदी की नियमित तलाशी ली जाएगी। एक प्रावधान यह है कि किसी सजायाफ्ता कैदी को 'इलेक्ट्रानिक ट्रैकिंग' उपकरण पहनने की शर्त पर छुट्टी पर बाहर भेजा जा सकता है, ताकि उसकी आवाजाही और अन्य गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। इसमें नियमों के उल्लंघन पर भविष्य में छुट्टी के अयोग्य घोषित किया जाना और छुट्टी रद्द किया जाना भी शामिल है। देश की जेलों में बंद कैदियों के मोबाइल फोन या अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करने से लेकर अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के बारे में जैसी खबरें आती रही हैं, उसके मद्देनजर मंत्रालय के सुझाव महत्त्वपूर्ण हैं। कहने को जेल में प्रवेश से लेकर बाहर निकलने तक पर सख्त निगरानी होती है। मगर ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिसमें किसी कैदी के पास से फोन या अन्य सामान जब्त किए गए। फिर जेल में बंद होने के बावजूद किसी कैदी के बाहर गिरोह या आपराधिक गतिविधियों को संचालित करने या उसे अंजाम देने की घटनाएं भी अक्सर चिंता की वजह बनती रही हैं। आधुनिक तकनीकी तक सजायाफ्ता अपराधियों की पहुंच ने भी कानूनों को ताक पर रखने के मामलों में इजाफा किया है। जेलों के घोषित सुरक्षा तंत्र के बरक्स यह जेलकर्मियों की मिलीभगत के जरिए और अधिकारियों की अनदेखी की वजह से ही संभव हो पाता होगा कि किसी सजायाफ्ता कैदी के पास मोबाइल, अन्य उपकरण या सुविधा के साधन पहुंच जाते हैं। इसमें अपराधियों के प्रभावशाली लोगों से जुड़े तार और उनके रसूख की भी भूमिका होती है। ऐसी स्थिति में जेलों के भीतर गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए कानूनी स्तर पर सख्ती जरूर बरती जाए, लेकिन अगर उनके अमल को लेकर कोताही होगी, जेलों के अपने तंत्र को ईमानदार और दुरुस्त नहीं बनाया जाएगा तो नियम-कायदों की अहमियत सिर्फ कागजों में सिमटी रहेगी।

बिहार की राजनीति में नया कुछ भी नहीं...

अजीत द्विवेदी

जाति गणना के आंकड़े आने और आरक्षण की सीमा बढ़ाने के बिहार सरकार के फैसले के बाद हर तरफ यह सुनने को मिल रहा है कि नीतीश कुमार और लालू प्रसाद ने राजनीति की दिशा बदल दी है। ऐसा लग रहा है जैसे इन दोनों नेताओं ने कोई नई राजनीति की है। लेकिन असल में इस राजनीति में कुछ भी नया नहीं है। पिछले 50 साल से ज्यादा समय से बिहार में यही राजनीति हो रही है और कुछ हद तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मंडल राजनीति से मजबूत हुए अन्य पिछड़ी जाति के नेताओं की कृपा से पूरे देश में भी यही राजनीति चल रही है। हर नेता सोशल इंजीनियरिंग करता हुआ है और आरक्षण को चुनाव जीतने का रामबाण नुस्खा मान कर किसी न किसी तरह उसका इस्तेमाल करने की वकालत कर रहा है। कांग्रेस, राजद, जदयू आदि के नेता आरक्षण की सीमा बढ़ा रहे हैं या बढ़ाने का दावा कर रहे हैं तो भाजपा के नेता मौजूदा आरक्षण का वर्गीकरण करके पिछड़ों में अति पिछड़ों और दलितों और अत्यंत दलितों को अतिरिक्त आरक्षण देने का दांव चल रहे हैं। तभी सोचें कि इस राजनीति में क्या नया है? इसका जवाब खोजते-खोजते वर्तमान हिंदी कविता के सबसे चमकदार नक्षत्र कुमार विश्वास का ध्यान आता है। उन्होंने कोई 20 साल पहले एक कविता लिखी, 'कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता है', जो कि बेहद मशहूर हुई। उसके बाद से वे थोड़े थोड़े अंतराल पर इसी कविता में कुछ नई पंक्तियां जोड़ते चलते हैं। उन्होंने कुछ अन्य कविताएं भी लिखीं लेकिन उनको वह लोकप्रियता नहीं मिली, जो उनकी इस कविता को मिली। इसलिए नई कविता लिखने, नए प्रयोग करने की बजाय वे अपनी पुरानी और मशहूर कविता में नई पंक्तियां जोड़ते जाते हैं। उसी तरह बिहार में राजद और जदयू के नेताओं ने कुछ और राजनीति भी आजमाई लेकिन उसमें कामयाबी नहीं मिली या कामयाबी मिलने की संभावना नहीं दिखी तो फिर से पुरानी और सफल रही राजनीति में नई लाइनें जोड़नी शुरू कर दीं। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार अब भी वही राजनीति कर रहे हैं, जिसके दम पर दोनों सफल हुए, मुख्यमंत्री बने और पिछले 33 साल से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं। असल में यह राजनीति सत्तर के दशक से ही चल रही है। कर्पूरी ठाकुर के मुख्यमंत्री बनने के समय पिछड़ा और अति पिछड़ा का वर्गीकरण करके उनके लिए क्रमशः आठ और 12 फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया गया था। बाद में पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों का 18 फीसदी कर दिया गया था, जिसे अब फिर से बढ़ाने की घोषणा की गई है। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की जो कथित नई राजनीति है उसके तहत पिछड़ी जातियों को 18 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों को 25 फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। राज्य की नीतीश कुमार सरकार ने ऐसा करने के लिए जाति गणना को आधार बनाया है, जिसके तहत पिछड़ी जातियों की आबादी 27 फीसदी और अत्यंत पिछड़ी जातियों की आबादी 36 फीसदी बताई गई है। इसमें मुस्लिम समाज की पिछड़ी जातियां भी शामिल हैं। सो, कह सकते हैं कि बिहार में कर्पूरी ठाकुर से लेकर नीतीश कुमार तक इतनी तरक्की हुई है कि पिछड़ी जातियों का आरक्षण आठ से बढ़ा कर 18 फीसदी किया जा रहा है और अत्यंत पिछड़ी जातियों का आरक्षण 12 से बढ़ा कर 25 फीसदी किया जा रहा है! सोचें, इसको नई राजनीति कैसे कह सकते हैं? यह नई बोतल में पुरानी शराब जैसी है, फर्क इतना है कि इस बार बोतल बड़ी कर दी गई है। याद करें 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में जब लालू प्रसाद और नीतीश कुमार एक साथ आए थे तब उन्होंने क्या राजनीति की थी? तब भी आरक्षण ही केंद्रीय मुद्दा था। असल में चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने आरक्षण की समीक्षा का एक बयान दे दिया था, जिसे बिहार की दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं ने मुद्दा बना दिया। हालांकि ऐसा नहीं था कि मोहन भागवत बयान नहीं देते तो दोनों पार्टियां विकास, उद्योग, शिक्षा या स्वास्थ्य के मुद्दे पर चुनाव लड़ने जा रही थीं। दोनों तब भी जातिगत आरक्षण के मुद्दे पर ही चुनाव लड़तीं। उस चुनाव के 10 साल बाद 2025 फिर से दोनों पार्टियां साथ मिल कर विधानसभा का चुनाव लड़ेंगी तब भी उनके पास कोई दूसरा मुद्दा या एजेंडा नहीं है। वे उसी मुद्दे पर लड़ने जा रही हैं, जिस पर 2015 में लड़ा था या 1990 में लड़ा था। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि पहले इस मुद्दे पर लड़ चुके हैं तो इस बार लड़ने पर इसका फायदा नहीं मिलेगा। यह कोई काठ की हांडी जैसी नहीं है कि दोबारा चूल्हे पर नहीं चढ़ा सकते। बिहार की जनता हो सकता है कि फिर से इस मुद्दे पर मतदान करे और मंडल के मसीहाओं को चुनाव जिताए। लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को इस मुद्दे पर कितना भरोसा है इसका अंदाजा इस बात से भी लगा सकते हैं कि दोनों ने 33 साल के अपने शासन की पोल खोलने वाले सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े भी जनता के सामने पेश कर दिए हैं। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा में इसके आंकड़े पेश किए और बताया कि बिहार के एक तिहाई से ज्यादा करीब 34 फीसदी परिवार ऐसे हैं, जिनकी मासिक कमाई छह हजार रुपए से कम है। सोचें, अगर पांच लोगों का एक परिवार है तो हर व्यक्ति की मासिक कमाई 12 सौ रुपए यानी 40 रुपए रोज से कम है। राज्य में सिर्फ सात फीसदी आबादी ग्रेजुएट है और महज पांच फीसदी लोगों के पास किसी तरह का मोटराइज्ड वाहन है। सिर्फ पांच फीसदी लोग सरकारी या निजी नौकरी में हैं और 17 फीसदी मजदूरी करते हैं। सिर्फ सात फीसदी लोग कृषि कार्य करते हैं और 67 फीसदी आबादी की एक श्रेणी है, जिसे राज्य सरकार ने गृहिणी व विद्यार्थी कहा है। यानी इनके पास आय उपार्जित करने का कोई काम नहीं है। सोचें, बिहार की भयावह गरीबी व बदहाली की तस्वीर दिखाने वाली इस रिपोर्ट को पेश करने के बाद भी सरकार चला रही दोनों पार्टियां विकास का कोई एजेंडा पेश करने और अगले 25 साल के विकास का कोई रोडमैप बना कर लोगों के सामने रखने की बजाय यह कहा कि सरकार आरक्षण बढ़ा कर 75 फीसदी करेगी। और बाकी संगठित या असंगठित क्षेत्र की निजी नौकरी करते हैं वहां आरक्षण की सीमा बढ़ा देने से कितनी आबादी को क्या हासिल हो जाएगा? अगर रोजगार के अवसर नहीं बढ़ाए।

अपनत्व एक ऐसी भावना है, जो हमें संतुष्ट बनाती है...

सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

इस सांसारिक जीवन में हम सभी अच्छे और बुरे दिनों, संघर्षों, सफलताओं और असफलताओं का सामना करते हैं। हम अक्सर खुद को बदलने की कोशिश करते हैं, लेकिन तब भी हम अपनत्व के साथ रहते हैं। अपनत्व का मतलब है अपने आप से भी प्यार करना, खुद को स्वीकार करना और अपने मन की बात सुनना। अपनापन जीवन को चरितार्थ करता है। जब हम खुद को स्वीकार करते हैं, तब अन्य लोगों की भी समझ बनती है और अच्छे ढंग से व्यवहार करते हैं। मगर कभी-कभी हम खुद को भूल जाते हैं और दूसरों की धारणाओं के आधार पर अपनी जिंदगी जीते हैं। इसलिए अपनापन एक आत्म-संज्ञान का माध्यम है, जिससे हम खुद को समझ सकते हैं और सही दिशा में चल सकते हैं। अपनत्व एक ऐसी भावना है, जो हमें संतुष्ट बनाती है। जब हम खुद के अस्तित्व से प्यार करते हैं, तब हमें जीवन में खुशहाली और सुख-समृद्धि मिलती है। इसे स्वीकार करना और खुद की संजीवनी शक्ति का प्रदर्शन करना आवश्यक है। खुद को स्वीकार करना, मतलब जीवन को दिशा प्रदान करने के समान होता है। हमें अपने आप पर गर्व होना चाहिए और खुशियों को साझा करना चाहिए। अपनत्व का अपना विशेष महत्त्व है, जिसे न मानने पर जीवन निराश हो जाता है और कमियों को रेखांकित करने लगता है। यह रेखांकन उस समय और भी गहरा जाता है, जब हमारी गलतियां हमें स्वयं से दूर करने लगती हैं। जिस तरह से हम दूसरों से प्यार करते हैं, उसी तरह हमें खुद से भी प्यार करना चाहिए। हम सभी अलग-अलग हैं और हमें अपनी भिन्नता को समझना चाहिए। उस भिन्नता को विशिष्टता का प्रतीक मानकर उसका आलिंगन करना चाहिए। हमें अपने आप से प्यार करना चाहिए और खुद के साथ हमेशा ईमानदार रहना चाहिए। अपनत्व वह तत्त्व है जो हमें खुद के साथ हमेशा संबंध बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। जब हम खुद से प्यार करते हैं, तब हमारे जीवन में सुख और समृद्धि की बरसात होती है। हमें अपनी विशिष्टता को समझकर उसकी सुगंध से स्वयं को सुवासित करना चाहिए। यह कितने दुख की बात है कि जिनको हम अपना कहते हैं, जो हमारे सबसे निकटतम होते हैं, हम उनके सामने कभी-कभी स्वयं की स्थिति उजागर भी नहीं कर सकते। उनकी ओर से इतना जोरदार प्रतिकार होता है कि हम सोचते ही रह जाते हैं कि हमने अपना सच कहकर अच्छा किया या बुरा! हमारी स्वीकारोक्ति सही थी या गलत! यह हमारे लिए बड़ी बुरी और दुखद स्थिति होती है। इसकी कल्पना करने मात्र से सिहरन-सी पैदा हो जाती है। सच तो यह है कि अपनत्व के सारे तार तोड़ देने के लिए अपनों का एक अस्वीकार पर्याप्त है। ऐसे में हमें इतना दृढ़ बनना चाहिए कि कम से कम खुद से अपने दुख व्यक्त करने का साहस जुटा सकें। अपना सच बेझिझक कह सकें। बड़ी अजीब बात है कि हमारे भविष्य के निर्माण के लिए भी हम इतिहास की ओर ही देखते हैं। बीते कल के सफल लोगों के उदाहरण से सीखना चाहते हैं और उनका अनुसरण करना चाहते हैं। बात हम भविष्य की करते हैं, लेकिन दुहराना इतिहास को चाहते हैं। हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां हमें, हमारे काम, योग्यता, गुण, सौंदर्य और तमाम उन बातों को, जिनको अच्छा माना जाता है, याद करें। लोग तो उन्हें ही याद रखते हैं जो न केवल अपना, बल्कि दूसरों का भी भला करें। वास्तव में, हमारी चाह जो दिखाई पड़ती है आगे की तरफ जाती हुई, लेकिन चाल उसकी उल्टी होती है। बहरहाल, हम कुछ भी चाहें, लेकिन क्या इतिहास पर सच में हमारा कोई जोर है? तब तक नहीं है, जब तक कि हम बहुत प्रभावशाली व्यक्ति न बन जाएं। अन्यथा किसी व्यक्ति का इतिहास ऐसे लोग लिख देते हैं जो उसे नापसंद करते हैं। उसके व्यक्तित्व से घबराए हुए और कुंठित होते हैं। वे अपनी सारी कुंठा सारा नैराश्य उस व्यक्ति की छवि गढ़ने में या कहिए बिगाड़ने में झोंक देते हैं। यह हमारे चित्त की कमजोरी है कि हम किसी के भी बारे में बुरी, गलत और अभद्र बात को तुरंत स्वीकार कर लेते हैं। उस पर बिना किसी अन्वेषण के विश्वास भी कर लेते हैं। कालांतर में यही विश्वास और स्वीकार उस व्यक्ति का इतिहास बन जाता है। कई बार इससे विपरीत भी होता है। चालाक लोग अपनी झूठी छवियां गढ़कर, आसपास के लोगों को किसी न किसी प्रकार उपकृत कर अपना जबरिया अच्छा इतिहास लिखवा लिया करते हैं। हम चाहे लाख दोस्त बना लें, नए अनुभव कर लें, मगर जो चीज सबसे ज्यादा सिखाती है, वह है- अपनापन। हालांकि हर जगह अपने लोग नहीं हो सकते, लेकिन अपनापन दूसरों के निकट लाकर सत्संबंध स्थापित करता है। चाहे हम कोई भी हों, अपनत्व का अनुभव हमारे लिए महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। अपनत्व लोगों को मतभेदों से अलग अवश्य रख सकता है।

दिल्ली में मेट्रो ट्रेन, डीटीसी और कैब सर्विस है तो फिर क्यों है डूम्टा की जरूरत?

बीते 20 साल में दिल्ली में मेट्रो का नेटवर्क बढ़कर 350 किमी का हो गया है। इस पर रोजाना लाखों पैसेंजर सफर करते हैं। इसके अलावा इस शहर में स्टेज कैरिज के तहत डीटीसी और डिम्टस की बसों की संख्या भी पांच हजार से अधिक है। इसके अलावा यहां बड़ी संख्या में ऐप आधारित टैक्सी, ऑटो भी हैं लेकिन इसके बावजूद दिल्ली में प्राइवेट गाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट को लगातार कोसा जाता है। हालत ये है कि लाखों लोग इसलिए प्राइवेट गाड़ियां खरीदते हैं, क्योंकि दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर नहीं माना जाता। दरअसल, दिल्ली में बसों का जितना बेड़ा है और मेट्रो का जितना बड़ा नेटवर्क है, वह संभवतः भारत के किसी शहर में भी नहीं है लेकिन इसके बावजूद पब्लिक ट्रांसपोर्ट के नाम पर दिल्ली इसलिए पिछड़ी हुई है, क्योंकि पब्लिक ट्रांसपोर्ट को एक सिस्टम के तहत नहीं चलाया जाता। कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां मेट्रो भी है और बड़ी संख्या में बसें भी लेकिन कुछ ऐसे इलाके हैं, जहां न बस है, न मेट्रो और न ही ऑटो टैक्सी वाले जाना चाहते हैं। वहां के लोग ई रिक्शा और ग्रामीण सेवा जैसे शेयरिंग ट्रांसपोर्ट सिस्टम के भरोसे ही हैं। ऐसे में जरूरत है यूनीफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांजिट अथॉरिटी की। ये इस तरह की अम्ब्रेला अथॉरिटी होती है, जिसके दायरे में सभी तरह के न सिर्फ ट्रांसपोर्ट मोड आते हैं बल्कि ट्रैफिक पुलिस और प्लानिंग विभाग भी इसका पार्ट होते हैं। इस अथॉरिटी का मकसद यही होता है कि ट्रांसपोर्ट से जुड़े सभी विभागों में इस तरह से तालमेल बने कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट का बेहतर उपयोग हो ताकि उसका फायदा आम आदमी को मिले। इसके लिए आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने कुछ साल पहले बाकायदा सभी राज्यों को अनुरोध भी किया था और इसके लिए एक मॉडल प्रस्ताव भी तैयार किया था। दिलचस्प ये है कि कई शहरों ने इस तर्ज पर अथॉरिटी का गठन कर लिया लेकिन दिल्ली में बरसों से ये प्रस्ताव लंबित है। शीला दीक्षित के कार्यकाल में दिल्ली यूनीफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांजिट अथॉरिटी (डूम्टा) का प्रस्ताव तैयार किया गया था। लेकिन उस वक्त ये मामला ऐसा अटका की कि उसके बाद इस का कोई नामलेवा ही नहीं रहा। दिल्ली के लिए डूम्टा इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि केंद्रशासित क्षेत्र होने के नाते डीटीसी, डिम्टस तो सीधे दिल्ली सरकार के अधीन हैं जबकि मेट्रो में दिल्ली और केंद्र सरकार की बराबर की हिस्सेदारी है। तीसरा बड़ा विभाग दिल्ली ट्रैफिक पुलिस केंद्र के अधीन है। ऐसे में इन सभी में तालमेल बन ही नहीं पाता। नतीजा ये होता है कि मेट्रो और बसों का बड़ा नेटवर्क होने के बावजूद दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट बुरी हालत में है। अगर ये अथॉरिटी बन जाए तो उसमें ये सभी विभाग के साथ ही ट्रैफिक पुलिस की भी जवाबदेही तय होगी और उसे अथॉरिटी में जवाब देना पड़ेगा। अभी हालत ये है कि डिम्टस और डीटीसी की बसें अपने हिसाब से चल रही हैं। किसी को ये पता ही नहीं कि बस कितनी देर में आएगी और कितनी देर में नहीं। इसी तरह ट्रैफिक पुलिस अपना अलग दृष्टिकोण लेकर काम करती है। ट्रैफिक पुलिस किस तरह से अपनी राह चुनती है, उसका उदाहरण बीआरटी कॉरिडोर प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को ट्रैफिक पुलिस ने अपना समर्थन देने से इनकार कर दिया और उस कॉरिडोर में ट्रैफिक पुलिसकर्मी ही तैनात नहीं किए। नतीजा अराजकता की वजह से ये प्रोजेक्ट ही बंद कर देना पड़ा। बाद में इस कॉरिडोर को ही तोड़ दिया गया। अगर डूम्टा होता तो शायद ट्रैफिक पुलिस उस प्रोजेक्ट से खुद को अलग नहीं करती।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5057

	3	6	9					
2				8				5
			1		6	8		
	2	7	4		1		9	
	1						4	
	4		2		8	7	3	
		2	8		5			
1				3				6
					9	2	8	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5056

7	6	2	3	1	9	4	8	5
9	4	3	5	8	6	7	1	2
5	8	1	7	2	4	6	9	3
6	3	4	9	7	5	1	2	8
1	9	7	8	3	2	5	6	4
2	5	8	4	6	1	3	7	9
3	2	5	1	9	7	8	4	6
8	1	9	6	4	3	2	5	7
4	7	6	2	5	8	9	3	1

वर्ग पहेली 5057

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत में पहली बार इस राज्य में विद्युत मंडल प्रारंभ किया था (6)
6. धिक्कार, दुत्कार, झिड़की (2)
7. रईस, मालदार, जिसके पास अपार संपत्ति हो (4)
9. भाव का अपभ्रंश (3)
11. रमण करना, लिप्त होना (3)
12. जो पर्वत पर उत्पन्न हो (3)
13. चंद्रमास का एक पक्ष, कृष्ण पक्ष, अकल्याण, अपकार (2)
14. अकल्याणकारी, दुश्चरित्र, दुष्कर्मी (2)
15. स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती, आरोग्य (3)
17. सहयोग, सहायता, इमदाद (3)
19. हल्का बुखार, ज्वरांश (4)
21. गहन चिंतन करने का भाव, अध्ययन करना (3)
23. दशरथ के पुत्र जो दस अवतारों में से एक माने जाते हैं (2)
24. पुराणानुसार भगवान विष्णु का पांचवां अवतार जो राजा बलि को छलने के लिए हुआ था (3)

(ऊपर से नीचे)

1. पक्ष लेने वाला, पक्षपाती, हिमायती (4)
2. मानने को प्रेरित करना, मानने का काम करवाना (4)
3. विश्वामित्र के पिता तथा कुशिक राजा के पुत्र का नाम (2)
4. प्रायः, कार्तिक-करीब (4)
5. आराम, चैन, सुख (3)
8. उपकार न मानने वाला, कृतघ्न (6)
10. जिसका वदन हाथी के जैसा हो (5)
12. पास बैठने वाला, पार्श्ववर्ती (3)
16. विवाह का मुकुट, मौर (3)
16. अधिक पीला, अतिजर्द (2)
18. संकल्पपूर्वक दबाने की क्रिया, बलपूर्वक शांत करने का भाव (3)
20. रसोई घर से संबंधित एक पात्र, ननंद की एक सहायक नदी (2)
22. ईशदूत, पैगम्बर, रसूल (2)

वर्ग पहेली 5056 का हल

स	ती	ल	क्ष्मी	बा	ई		म
म	म	ता		व	ल	द	ती
य			ता	न		त	
हि	त	ई		म	थ	न	
त		मा		आ		ध	ख
मा		न	वी		म	र	ल
न	बं	ख		प	ता	स्त	
स		र		ना	य		जी

प्रेक्षक जावले एवं श्रीमती जे.विजयारानी ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

नीमच, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में स्वदत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए मतदान दलों के कर्मचारी मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंच गये है। भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक जनरल आब्जर्वर श्रीमती जे.विजयारानी ने 16 नवम्ब र 2023 को जावद क्षेत्र के गुर्जरखेडी सांखला एवं ग्राम नागदा में मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान कर्मियों के मतदान सामग्री के साथ मतदान केंद्रों पर पहुंचने का जायजा लिया और मतदान दलों के कर्मियों से चर्चा कर, आवश्येक निर्देश भी दिए।

जनरल आब्जर्वर श्री किशनराव जावले ने मनासा क्षेत्र के विभिन्ने गांवों का भ्रमण कर मतदान केंद्रों का अवलोकन किया और मतदान दलों के मतदान केंद्रों पर पहुंचने का जायजा लिया। उन्होनने मनासा क्षेत्र के मतदान केंद्र आंत्री बुजुर्ग पर मतदान दलों के कर्मचारियों से चर्चा कर आवश्यशक निर्देश भी दिए। कलेक्टबर श्री दिनेश जैन, पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी, एडीएम सुश्री नेहा मीना ने मतदान दलों को सामग्री वितरण के पश्चा त जिले के विभिन्नय मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान दलो के मतदान सामग्री के साथ मतदान केंद्रों पर पहुचंने का जायजा लिया और मतदान केंद्रों पर स्व तंत्र, निष्पनक्ष, सुचारू एवं सुव्य वस्थित मतदान व्यिवस्था का अवलोकन किया। इस मौके पर महाप्रबंधक उद्योग श्री अमरसिह मौरे, जिला आबकारी श्री आर.एन.व्यास, प्रो.प्रशांत मिश्रा एवं तहसीलदार श्री यशपाल मुजाल्दाय सहित अन्ये अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारत के संविधान द्वारा प्रदत स्वत: मताधिकार का महत्व समझे

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रजातंत्र का महापर्व प्रति 5 वर्ष में आता है मतदाता मताधिकार का उपयोग कर लोक कल्याणकारी शासन की स्थापना करते हैं। आपके मत द्वारा शासन एवं सत्ता पर संयमित रहने का नियंत्रण रहता है।

भारत में नागरिकों को मताधिकार के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ा और संविधान द्वारा स्वत: प्राप्त हो गया अत: मत के महत्व को समझाना पड़ रहा। आपका वोट अमूल्य है। एक वोट से उम्मीदवार हारे हैं एक वोट से सरकारी गिरी है। अत: 17 नवंबर को अपने मत का उपयोग कर शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखें। आपको याद रखना है दुनिया के विकसित राष्ट्रो मैं भी मताधिकार सरलता से नहीं मिला संघर्ष करना पड़ा, यहां तक की ब्रिटेन में प्रारंभ में मताधिकार व्यक्तियों की हैसियत के आधार पर(कितना टैक्स देते हैं कितनी जमीन है) पर ही मताधिकार दिया गया था। सन 1928 में इंग्लैंड में वयस्क मताधिकार दिया गया महिलाओं में विकसित राष्ट्रों में अपने माता जी का के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। अमेरिका में आजादी के बाद संविधान निर्माण के 133 साल बाद सन 1920 में महिलाओं को मताधिकार का मिला। रंगभेद के कारण अश्वेत महिलाओं को सन 19 64 में मताधिकार का प्राप्त हुआ। दुनिया का पहला रोम गणराज्य ग्रीस में सन 1952 में महिलाओं को मताधिकार मिला है। रूस कनाडा जर्मन ब्राज़ील में सन 1939 में महिलाओं को मताधिकार मिला है। भारत-पाकिस्तान एक साथ आजाद हुए परंतु पाकिस्तान में भी महिलाओं को सन 1956 में मताधिकार मिला। अत: भारत में सभी वयस्क मतदाताओं को हमारे संविधान निर्माता की दूरदर्शिता के कारण बिना प्रयास के मताधिकार प्राप्त हुआ है। अत: आप अपने मताधिकार का उपयोग करें और 17 नवंबर 2023 को अनिवार्य रूप से मतदान कर निष्पक्ष योग्य प्रत्याशी का चयनकर सरकार के निर्माण में भागीदार बने।

श्यामलाल बोराना,
इतिहासकार पिपलिया मंडी

हर गली गलियारें में है मत पर्व की गूंज

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव के मार्गदर्शन में संपूर्ण जिले में लोकतंत्र के त्यौहार को 17 नवंबर को धूमधाम से सभी की सहभागिता से मनाये जाने हेतु विविध प्रयास किये जा रहे है। घर-घर जा कर लोगों को मतदान का महत्व बताया जा रहा है एवं मतदान करने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। हर नजर हर सोच में मतदान का कर्तव्य बोध लाने हेतु संदेश प्रदर्शित किये जा रहे है, बोले जा रहे है, सुनाये जा रहे है एवं दिखाये जा रहे है। मतदाता जागरूकता रैलिया, दिवारों में प्रेरणा दायक नारें या कला मण्डिलयों के लोक गीत, रंगोली की आकर्षक प्रस्तुति, हर जगह मत पर्व की गूंज है। जिला प्रशासन ने संदेश दिया है की 17 नवंबर याद रखें सब चल कर मतदान करें।

ईवीएम मशीनों की होगी जीपीएस से ट्रेकिंग

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। 17 नवंबर को मतदान सम्पन्न कराने के लिए जिला मुख्यालय स्थित राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर से प्रात: 8 बजे से सामग्री वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मतदान दलों ने सामग्री प्राप्त कर अपने निर्धारित मतदान केन्द्रों के लिए वाहनों के माध्यम से प्रस्थान किया। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन-2023 में ईव्हीएम का परिवहन करने वाले वाहनों पर ऋझड लगाया गया है। मतदान दलों को मतदान केन्द्र तक लाने-ले जाने में उपयोग होने वाले वाहन, सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा मतदान के दिन अपने वाहनों में रिजर्व एतच का परिवहन के दौरान वाहनों पर ऋझड लगाया गया है। जिससे वाहनों की लोकेशन ली जा सकेगी। वाहनों के ट्रेकिंग के लिए जिला मुख्यालय पर कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

एडीएम एवं जिला पंचायत सीईओ जावद एवं मनासा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे

नीमच, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 17 नवम्बर 2023 को जिला नीमच के विधानसभा क्षेत्र 228 मनासा, एवं 230- जावद के समस्त 743 मतदान केंद्रों पर मतदान सम्पन्न होना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन व्दारा 17 नवम्बर 2023 को मतदान प्रक्रिया के सुचारू रूप से संचालन के संबंध में अपर कलेक्टर सुश्री नेहा मीना मो.न.9755556271 को सम्पूर्ण विधानसभा क्षेत्र मनासा तथा जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद मो.न.9958781387 एवं सहयोगी संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह मो.न. 7067820349 को सम्पूण विधानसभा क्षेत्र जावद के अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों का भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया का निरीक्षण कर, सुचारू मतदान प्रक्रिया सम्पदन्नण कराने का दायित्व सौंपा गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

पहचान के लिए 12 दस्तावेज प्रयोग कर सकते हैं

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव द्वारा बताया गया कि निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिए हैं कि मतदान केंद्र पर मतदाताओं की पहचान के लिए 12 दस्तावेजों निर्धारित किये गए है। इन 12 दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज होने पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। इन दस्तावेजों के अंतर्गत आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, मनरेगा जॉब कार्ड, सर्विस पहचान पत्र, पासबुक, स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, पेंशन दस्तावेज व सरकारी पहचान पत्र को शामिल किए गए हैं। इनमें से कोई भी एक दस्तावेज होने पर आपको अपना मत का प्रयोग करने से कोई भी नहीं रोक सकता है।

रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से किया जा रहा मतदाताओं को जागरूक

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत स्वीप गतिविधियों के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिये महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव गांव में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। महिलाएं रंगोली बनाकर संदेश के रूप में हम सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। यह कार्य महिला बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्य में मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रुचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागृत हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी जागरूक कर रहे हैं।

आज प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक अनिवार्य रूप से मतदान करें - कलेक्टर

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत 17 नवंबर को मतदान होगा। मतदान प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा।

सभी मतदाताओं से अनुरोध किया जाता है कि प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए जाए। मतदाता अपने विवेक का उपयोग करते हुए निष्पक्ष एवं नैतिक मतदान कर लोकतंत्र की मजबूती में सहभागिता करे। सभी नागरिको, भाइयों और बहनों आप सभी निर्भीक, निडर होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। निर्वाचन आयोग द्वारा दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है, साथ ही बुजुर्ग व गर्भवती महिलाओं को पहले मताधिकार का प्रयोग करने का अधिकार प्रदान किया गया है। स्तनपान कराने वाली माताओं, महिलाओं एवं बच्चों के रुकने के लिए टेंट एवं कुर्सी की व्यवस्था की गई है।

नीमच जिले में विधानसभा निर्वाचन की तैयारियां पूर्ण...

6 लाख 9 हजार 602 मतदाता करेगें अपने मताधिकार का उपयोग

नीमच, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत आज 17 नवम्बर 2023 को नीमच जिले में 743 मतदान केन्द्रो पर 6 लाख 9 हजार 602 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। विधानसभा क्षेत्र मनासा में 248 मतदान केन्द्रों पर एक लाख 1 हजार 414 पुरुष एवं 98 हजार 400 महिला कुल एक लाख 99 हजार 815 मतदाता, विधानसभा क्षेत्र नीमच में 277 मतदान केन्द्रों पर एक लाख 15 हजार 511 पुरुष एवं एक लाख 12 हजार 739 महिला कुल 2 लाख 28 हजार 254 मतदाता एवं विधानसभा क्षेत्र जावद में 218 मतदान केन्द्रों पर 92 हजार 269 पुरुष, 89 हजार 262 महिला कुल एक लाख 81 हजार 533 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। जिल में कुल 6 लाख 9 हजार 602 मतदाता है। इसमें 3 लाख 98 हजार 194 पुरुष एवं 3 लाख 401 महिला मतदाता एवं 7 अन्यह (थर्ड जेण्डर)मतदाता है। इनमें क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर वेबकास्टिंग एंव मतदान केन्द्र पर सीसीटीव्ही कैमरे और शेष पर माईको आब्जर्वर के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सुव्यवस्थित मतदान कराने हेतु लगभग 5 हजार 500 अधिकारी, कर्मचारी तैनात किये गये है। मतदान दलों के लिए 312 वाहनों और सेक्टैर एवं सेक्ट,र मजिस्ट्रे टों के लिए 142 वाहनों की व्यवस्था की गई है। जिले में 128 रूटे एवं 71 सेक्टिर बनाए गये है। मनासा में 24 सेक्टंर 47 रूट, नीमच में 27 सेक्टर एवं 44 रूट, जावद में 20 सेक्टर एवं 37 रूट, बनाकर सेक्टर अधिकारी रूट प्रभारी एवं वाहन प्रभारी नियुक्त किये गये है। जिले में तीनों विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक झथऊ संचालित विशेष मतदान केन्द्रि(दिव्यांग मतदान केन्द्र) और युवाओं द्वारा संचालित तीन यूथ मतदान केन्द्रि तथा 50 मॉडल मतदान केन्द्रे बनाये गये है। मनासा व जावद में 15-15 एवं नीमच में 20 मॉडल बूथ बनाये गये है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी के मार्गदर्शन में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सुव्यवस्थित मतदान कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल मोबाईल, एवं सेक्टर मोबाईल द्वारा क्षेत्र में का सतत भ्रमण किया जा रहा है। दस एसएसटी दस एफएस एवं दस क्यूआर टीम सहित लगभग 2 हजार से ज्यादा पुलिस बल सुरक्षा कर्मियों की डयूटी सुचारू एंव मतदान व्यवस्था में लगाई गई है। सीएसीएफ की आठ कम्पानी, जिला पुलिस बल के एक हजार 200, अन्य सुरक्षा बल 480, होमगार्ड एवं एसपीओ 8 हजार 114 सीआरपी 10, सेक्टर मोबाईल 71, क्वीक एक्शन टीमें 2 तैनात की गई है।

एमपी-राजस्थान समेत कई राज्यों में ठंड बढ़ी

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री; माउंट आबू में पारा 6 डिग्री पहुंचा

नईदिल्ली, 16 नवम्बर। पहाड़ी राज्यों पर बर्फबारी से दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। गुरुवार 16 नवंबर सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 11.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से दो डिग्री कम है।

राजस्थान के जयपुर में न्यूनतम तापमान 13.8 डिग्री सेल्सियस रहा। बुधवार 15 नवंबर की रात माउंट आबू में पारा 6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। सीकर में 7.5 और चूरू में 9.4 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। मध्य प्रदेश के भोपाल में पिछले 5 दिन के दौरान तापमान में 4.4 डिग्री की गिरावट आई। गुरुवार को भोपाल का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक नवंबर के आखिरी हफ्ते तक उत्तर भारत के राज्यों में ठंड और बढ़ेगी। दूसरी तरफ आईएमडी ने केरल, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में गुरुवार को बारिश का अलर्ट जारी किया। प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने शुक्रवार दोपहर तक तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश की संभावना जताई है।

तापमान गिरने से दिल्ली में प्रदूषण से राहत नहीं-दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण की स्थिति बेहद गंभीर हो गई है। गुरुवार को लगातार चौथे दिन कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 400 के पार हो गया। सुबह 7 बजे दिल्ली के बवाना में अटख 442, जहांगीरपुरी में 441, आनंद विहार में 412, ITO में 412 और IGI एयरपोर्ट के पास 401 रिकॉर्ड किया गया। बुधवार (15 नवंबर) को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रदूषण को लेकर कहा था कि हवा की स्पीड कम हो गई है। तापमान में भी गिरावट हुई है। ऐसे में दीपावली पर पटाखों से जो प्रदूषण फैला था, वह आसमान में बना हुआ है। अगले दो-तीन दिनों तक प्रदूषण की स्थिति ऐसी ही रहेगी। इसके बाद ऑड-ईवन या कृत्रिम बारिश कराने पर विचार किया जाएगा। दिल्ली की केजरीवाल सरकार 21-22 नवंबर को दिल्ली में पहली बार आर्टिफिशियल बारिश का प्लान तैयार कर रही थी। इसके लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने 8 नवंबर को खखढकानपुर के वैज्ञानिकों के साथ बैठक की थी। इस बीच 9-10 नवंबर को बारिश हो गई। इससे प्रदूषण का स्तर 50 फीसदी कम हो गया था।

इजरायली सेना का दावा...

अल शिफा में मिले ऑटोमेटिक हथियार और हैंड ग्रेनेड

आतंक फैलाने के लिए किया जाता था अस्पताल का इस्तेमाल

तेलअवीव 16 नवंबर। इजरायली सेना गाजा के अल शिफा अस्पताल में बीते दिन दाखिल हो गई थी। सेना ने अब दावा किया है कि उसे अस्पताल के भीतर कमांड सेंटर और हथियार मिले हैं। हालांकि हमास ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने इजरायली सेना के आरोपों को झूठ और सस्ता प्रचार बताया है। अल शिफा अस्पताल में मिले हथियारों को लेकर इजरायली सेना के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा, हमारे सैनिक अब भी अस्पताल की तलाशी ले रहे हैं।

डेनियल हगारी ने कहा, तलाशी के दौरान हमने खुफिया जानकारी जुटाने वाले उपकरण, सैन्य साजो-सामान और कई हथियार पाए हैं। हमने एक ऑपरेशनल मुख्यालय भी मिला है। यहां पर हमास से ताल्लुक रखने वाले सामाना और उनकी वर्दियां मिली हैं। इजरायली सेना ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें अस्पताल परिसर के भीतर एक अज्ञात इमारत में ऑटोमेटिक हथियार, गोला-बारूद और जैकेट रखे थे। डेनियल हगारी ने कहा, ये सारी चीजें इस बात का संकेत देती है कि अल शिफा अस्पताल का इस्तेमाल आंतक फैलाने के लिए किया जाता था।

सेना ने अस्पताल को भेजी सहायता सामाग्री-इजरायली सेना ने अल शिफा अस्पताल में तलाशी अभियान के बाद अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए सहायता सामाग्री भेजी है। इजरायली सेना ने एक्स पर लिखा, कल, आईडीएफ सैनिकों ने गाजा में अल शिफा अस्पताल के भीतर आतंकवादी बुनियादी ढांचे की खोज करते हुए अस्पताल को चिकित्सा सहायता भेजी है। जबकि हमास अपने अस्तित्व के लिए गाजा के नागरिकों का शोषण करता है। आईडीएफ नागरिक नुकसान को कम करने के लिए मानवीय सहायता मुहैया करा है।

नेतन्याहू ने क्या कहा..?-अल शिफा अस्पताल में इजरायली सैनिकों के दाखिल होने के बाद बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, गाजा में ऐसी कोई भी जगह नहीं है जहां हम नहीं पहुंच सकते हैं. हम हमास तक पहुंचेगे और उसे खत्म कर अपने नागरिकों को वापस लाएंगे जिसे उन्होंने बंधक बना रखा है।

ऑस्ट्रेलिया 8वीं बार वर्ल्ड कप के फाइनल में: 19 नवंबर को भारत से मुकाबला, साउथ अफ्रीका फिर चोकर्स साबित

कोलकाता, 16 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स ग्राउंड पर खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को 3 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम 8वीं बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। वहीं, साउथ अफ्रीका एक बार फिर बड़े टूर्नामेंट में चोकर्स टीम साबित हुई। यह पांचवां मौका है, जब अफ्रीकी टीम वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हारी है।

साउथ अफ्रीका ने गुरुवार को हुए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला किया। टीम 49.4 ओवर में 212 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। डेविड मिलर ने सबसे ज्यादा 101 रन बनाए। मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 47.2 ओवर में 7 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। ओपनर ट्रेविस हेड ने 48 बॉल पर 62 रन की आक्रामक पारी खेली। बीच में स्टीव स्मिथ ने 30 और जोश इंग्लिस ने 28 रन बनाए। अब रविवार को अहमदाबाद में होने वाले फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना भारत से होगा। भारत ने बुधवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था।

5वीं बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में हारी साउथ अफ्रीका-साउथ अफ्रीका की टीम लगातार 5वें सेमीफाइनल से हारकर बाहर हुई है। इससे पहले, टीम 1992, 1999, 2007 और 2015 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल से हारकर बाहर हो चुकी है। अफ्रीकी टीम अब तक 5 बार वर्ल्ड कप के टॉप-4 में पहुंच चुकी है।

पिछले 27 साल से वर्ल्ड कप का फाइनल नहीं हारे कंगारू-ऑस्ट्रेलियाई टीम 8वीं बार वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। टीम ने 7 में से 5 फाइनल जीते हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम पिछले 27 साल से वर्ल्ड कप के फाइनल में नहीं हारी है। टीम ने पिछले 24 साल में अपने सभी 4 फाइनल जीते हैं। टीम ने आखिरी बार फाइनल मुकाबला 1996 में श्रीलंका के खिलाफ लाहौर में 7 विकेट से गंवाया था।

पावरप्ले में कंगारुओं की तेज शुरुआत, मार्करम-रबाडा ने दिए झटके-पावरप्ले के पहले 6 ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार शुरुआत की। ट्रैविस हेड और डेविड वॉर्नर ने 6 ओवर में 60 रन बना लिए। छठे ओवर में रबाडा ने 21 रन दिए। 7वें ओवर में कप्तान टेम्बा बावुमा ने बदलाव किया और ऐडन मार्करम ने वॉर्नर का विकेट दिलाया। यहां

से साउथ अफ्रीका का कमबैक हुआ और 8वें ओवर में मिचेल मार्श भी आउट हो गए। आखिरी 4 ओवर में ऑस्ट्रेलिया 14 रन ही बना सका और साउथ अफ्रीका को 2 विकेट हासिल हुए।

साउथ अफ्रीका 212 रन पर आउट, मिलर का शतक-अफ्रीकी टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 212 रन पर ऑलआउट हो गई। डेविड मिलर ने 101 रन की शतकीय पारी खेली। उन्होंने दूसरा वर्ल्ड कप शतक जमाया। मिलर ने छक्के के साथ सेंचुरी पूरी की। वे वर्ल्ड कप के नॉकआउट में सेंचुरी जमाने वाले पहले साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, फॉफ डु प्लेसिस ने 2015 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में 82 रन बनाए थे। मिलर के अलावा, हेनरिक क्लासन 47 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट चटकाए। जोश हेजलवुड, पैट कमिंस और ट्रैविस हेड को 2-2 विकेट मिले।

डेथ ओवर्स में आया मिलर का शतक-डेथ ओवर्स में साउथ अफ्रीकी टीम बड़ा स्कोर बनाने में असफल रही। हालांकि इन ओवर्स में डेविड मिलर ने अपना शतक पूरा किया। डेथ ओवर्स के दौरान साउथ अफ्रीका की ओर से डेविड मिलर क्रीज पर थे। टीम ने हर ओवर में बाउंड्री निकालने की कोशिश की। मिलर ने बड़े शॉट खेले और शतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरान शानदार गेंदबाजी की। बॉलर्स ने बाउंड्री लगने पर प्रेशर नहीं लिया और सटीक गेंदबाजी की। 44वें, 47वें और 48वें ओवर में टीम ने विकेट लिए और मोमेंटम बनने ही नहीं दिया। डेथ ओवर्स में ऑस्ट्रेलियाई बॉलर्स ने 4 विकेट निकाल कर साउथ अफ्रीका को ऑलआउट कर दिया।

क्लासन-मिलर ने अफ्रीका को संभाला, हेड ने फिर दबाव बनाया-मिडिल ओवर्स के शुरुआत में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज दबाव में दिखे। 12वें ओवर में 24 रन पर चौथा विकेट गंवाने के बाद हेनरिक क्लासन और डेविड मिलर ने पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने 31वें ओवर तक बल्लेबाजी की। इस बीच क्लासेन और मिलर की जोड़ी ने 95 रन की साझेदारी करके अफ्रीकी पारी को आगे बढ़ाया। अफ्रीकी टीम दबाव से उबर ही रही थी कि 31वां ओवर लेकर आए टेविस हेड ने लगातार दो विकेट लेकर फिर दबाव बना दिया। उन्होंने क्लासन को आउट करके 95 रन की साझेदारी तोड़ी और फिर मार्को यानसन को जीरो पर पवेलियन की राह दिखाई। ऐसे में मिलर ने रन बनाने का जिम्मा संभाला और वनडे करियर की 25वीं फिफ्टी पूरी की। बीच के 30 ओवर में साउथ अफ्रीका ने 4 विकेट खोकर 101 रन बनाए। 40 ओवर के बाद अफ्रीकी टीम का स्कोर 156/6 रहा।

मतदान केन्द्र की 100 मीटर परिधि में मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु मतदान दिवस पर मतदान केन्द्र की 100 मीटर की परिधि में कोई भी व्यक्ति मोबाइल या कार्डलेस फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा तथा अभ्यर्थी मतदान केन्द्र से 200 मीटर की परिधि के अंदर कोई भी बूथ नहीं बना सकेगें। 17 नवम्बर को निर्वाचन संपन्न होने तक मतदान केन्द्र की 100 मीटर की परिधि अंतर्गत कोई भी व्यक्ति मोबाइल, कार्डलेंस फोन का उपयोग नहीं करेगा, परन्तु यह प्रतिबंध पीठासीन अधिकारी एवं निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक, सुरक्षा में लगे अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारी पर लागू नहीं होगा, इन अधिकारियों को भी अपना मोबाइल साइलेंट मोड में रखना होगा। किसी भी स्थिति में ऐसे बूथों के पास भीड़ को इकठ्ठा होने की अनुमति नहीं दी जाएगी न ही मतदान केन्द्र पर ऐसे व्यक्ति को आने की अनुमति दी जाएगी, जो पहले ही मतदान कर चुका हो, यह बात उसकी बायी तर्जनी पर लगी अमिट स्याही से प्रमाणित हो जाएगी। बूथों पर बैठे हुये व्यक्ति मतदान केन्द्र पर जाने वाले मतदाताओं के रास्ते में किसी भी तरह की रूकावट नहीं डालेगा अथवा दूसरे उम्मीदवार के बूथों पर जाने से उन्हें नहीं रोकेगे या मतदाताओं को स्वयं उनकी इच्छानुसार मताधिकार का प्रयोग करने में किसी प्रकार की रूकावट नहीं डालेगें। मतदान के दिन मतदान केन्द्र, अभ्यर्थी के बूथ पर बैठने वाले मतदान एजेंट, कार्यकर्ता के लिए यह आवश्यक होगा कि वह उसी मतदान केन्द्र का वोटर हो और उसके पास साथ में फोटो परिचय पत्र अथवा शासन द्वारा जारी किया गया ऐसा पहचान पत्र हो जिस पर उसका फोटो लगा हो। मतदान एजेंट किसी भी स्थिति में मतदान के दिन मतदान केन्द्र से संबंधित मतदाता सूची मतदान समाप्ति से पूर्व अपने साथ मतदान केन्द्र से बाहर नहीं ले जा सकेगा।

फाइनल में भारत

जीत विराट
रन विराट
50 शतकों का
शतक विराट
मोहम्मद शमी ने
नहीं छोड़ी कमी
न्यूजीलैण्ड में करी
7 विकेट की गमी
लगातार 10 मैच
का विजय रथ
विश्वकप के
फाइनल में भारत।

नन्दकिशोर राठौर, मन्दसौर

वायु प्रदूषण है 18 फीसदी बीमारी की जड़

स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी किया, सीएमएचओ को दिए निर्देश

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बीमारियों से होने वाली कुल मौतों में से 18 फीसदी में वायु प्रदूषण से होने वाले रोग मिले हैं। यह खुलासा आइसीएमआर की एक रिपोर्ट से हुआ। जिसको देखते हुए मध्यप्रदेश स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए सभी सीएमएचओ को जांच व इलाज की पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा है। दरअसल, सर्दियों के साथ प्रदूषण भी बढ़ रहा है। विभाग ने आशंका जताई है कि प्रदूषण बढने के साथ कोरोना के मामलों में वृद्धि हो सकती है।

इनके लिए सबसे अधिक खतरा...

चिकित्सकों के अनुसार प्रदूषण बढने के साथ वायु में कार्बन मोनोऑक्साइड, ग्राउंड लेवल ओजोन, वोलेटाइल ऑर्गेनिक कंपाउंड, मेटल्स, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन और पर्टिकुलेट मेट्र्स की मात्रा में वृद्धि होती है। जो सेहत के लिए हानिकारक है। विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एक्यूआइ लेवल 200 से 500 के बीच होने पर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, वृद्धजनों, दीर्घकालिक रोगग्रस्त व्यक्तियों, यातायात पुलिस, निर्माण कर्मी, रिक्शा चालक और सडक़ किनारे व्यवसाय करने वाले व्यापारियों पर इसका अधिक खतरा रहता है।

इन समस्याओं का रहता है खतरा...

✻ आंख, कान, गला व त्वचा में जलन ✻ खराश, खांसी, सांस लेने में कठिनाई ✻ छाती में दबाव महसूस होना ✻ सिर दर्द, चक्कर आना ✻ हाथ-पैरों में शिथिलता ✻ लोअर रेस्पिरेटरी ट्रेक्ट इंफेक्शन, आस्थमा, ब्रोनकाइटिस, सीओपीडी, सेरेब्रोवास्कुलर स्ट्रोक जैसी समस्याएं।

अभी से शुरू करें यह काम...

✻ सफाई के लिए गीले पोंछे का उपयोग झाड़ू लगाने से बेहतर विकल्प
✻ बाहर जाते समय मास्क जरूर लगाएं, बार बार आंखों को पानी से धोएं
✻ संतुलित आहार, ताजे फल-सब्जियों और तरल पदार्थों का सेवन करें।

कुमावत महासभा का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा व जिला धार्मिक उत्सव समिति के बैनर तले प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी नरसिंहपुरा कुमावत धर्मशाला में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुमावत समाज के वरिष्ठे व जिला धार्मिक उत्सव समिति के पदाधिकारियों सहित सदस्यों का सम्मान कर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

इस दौरान कुमावत महासभा के जिला अध्यक्ष धार्मिक उत्सव जिला संयोजक वर्दीचंद कुमावत ने बताया कि कुमातव समाज के द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली का पर्व धुमधाम से मनाया जाता है। इसी कडी में कुमावत धर्मशाला में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित कियाए जिसमें समाज के वरिष्ठे का सम्मान कर आशिर्वाद लिया। सभी समाज बंधुओं ने एक दूसरे को दीपावली की बधाई दी। कार्यक्रम दौरान मतदान कराने की शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वर्दीचंद कुमावत, वरिष्ठउपाध्यक्ष राजु कुमावत, जिला महामंत्री राजेश कुमावत, जिला मिडिया प्रभारी ओम कुमावत, जिला सांस्कृतिक मंत्री बाबुलाल कुमावत, उपाध्यक्ष मदनलाल कुमावत, माणकलाल कुमावत, सत्यनारायण कुमावत, रवी कुमावत, पार्षद गोवरधन कुमावत, समाज अध्यक्ष राधेश्याम कुमावत, सचिव मोहनलाल कुमावत, उपाध्यक्ष कारूलाल कुमावत, लोकेन्द्र कुमावत, रामचन्द्र कुमावत, नरेन्द्र कुमावत, नरेन्द्र कुमावत, चेतन कुमावत, बद्रीलाल कुमावत, राजु कुमावत, नानालाल कुमावत, कन्हैयालाल कुमावत, जिला धार्मिक उत्सव समिति अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, विनोद मेहता, विनय दुबेला, कन्हैयालाल सोनगरा, हरिश गुप्ता, राजेन्द्र चाष्ठा, जीवन गोसर आदि समाज के लोग उपस्थित थे।

कलेक्टर और एसपी ने कछाला के मतदान केन्द्र पर मतदान कर्मियों के साथ किया भोजन, किया निरीक्षण

नीमच, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान के लिए मतदान दलों के कर्मचारी मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंच गये है। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं एसपी श्री अमित कुमार तोलानी ने 16 नवंबर को जावद क्षेत्र के विभिन्न गांवो का आकस्मिक भ्रमण कर मतदान केन्द्रौं का निरीक्षण किया और मतदान दलों के कर्मचारियों के केन्द्रो पर पहुंचने का जायजा लिया। इस दौरान कलेक्टर एवं एसपी ने सिगोली तहसील के मतदान केन्द्र कछाला का रात्रि में निरीक्षण किया और मतदान दलों के कर्मचारियों के साथ मतदान केन्द्र् पर ही पंगत में बैठकर रात्रि भोजन ग्रहण किया। कलेक्टर एवं एसपी ने मतदान केन्द्रों पर कर्मचारियों के लिये की गई आवश्यक व्यवस्था ओं का जायजा लिया। मतदान दल कर्मचारियों ने मतदान केन्द्रो पर की गई व्यवस्थाओं की सराहना की।

श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन कल

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज जगदीश मंदिर पंचायत एवं न्यास के तत्वावधान में दो दिवसीय दीपावली मिलन समारोह का आयोजन श्री जगदीश मंदिर व जगदीश विलास जीवागंज में आगामी 18म19 नवंबर को आयोजित किया जा रहा है।प्रथम दिवस रात्रि 7:30 बजे सुंदरकांड का पाठ होगा। द्वितीय दिवस 19 नवंबर रविवार को समाज की महिला मंडल द्वारा दोपहर 12:30 बजे रंगोली स्पर्धा सायंकाल 5:30 बजे दिपोत्सव का आयोजन होगा।सायंकाल 6:00 बजे भगवान जगदीश की महाआरती के पश्चात जगदीश विलास में समाज के 80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों का सम्मान किया जाएगा। स्नेहभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण जगदीश मन्दिर पंचायत के अध्यक्ष मोहनलाल शर्मा व सचिव सुरेन्द्र त्रिवेदी ने समाज बंधुओं से दीपावली मिलन समारोह के सभी आयोजनों में सम्मिलित होने का अनुरोध किया है।

कुचड़ोद में आदर्श मतदान केंद्र 277 को सजाया दुल्हन की तरह

सीसीटीवी कैमरे लगे, पानी की व्यवस्था, टेंट एवं कुर्सियां लगाई, बलून लगाए, कारपेट बिछाई

कुचड़ोद, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई। ग्रामीणों में भी चुनाव को लेकर उत्साह देखा जा रहा। चौराहे चौराहे पर मतदान को लेकर उत्साह देखा गया। वहीं गांव में चार मतदान केंद्र में से एक 277 मतदान केंद्र आदर्श मतदान केंद्र है। जिसे बीएलओ एवं ग्राम पंचायत द्वारा मतदान केंद्र को दुल्हन की तरह सजाया गया। वही मतदान केंद्र क्रमांक 274 अर्धसैनिक बल के दो जवान मौजूद रहेंगे।

बीएलओ अर्चना सोनी एवं ग्राम पंचायत सचिव प्रहलाद वर्मा ने बताया आदर्श मतदान केंद्र पर परिसर में टेंट लगाए गए। कारपेट बिछाई, कुर्सियां लगाई गई, लाइट की व्यवस्था, ठंडे पानी की व्यवस्था की गई एवं मतदान केंद्र पर बलून लगाए गए। मतदान केंद्र को दुल्हन की तरह सजाया। मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए कुर्सियां भी लगाई गई है। मतदाताओं को घर जाकर मत मत पर्ची वितरित की गई एवं गांव में अनाउंस भी करवाया गया। मतदान केंद्र पर दिव्यांगों एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिए दो व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई। मतदान सुबह 7:00 से शाम 6:00 तक चलेगा। गांव के चारों मतदान केंद्र पीएम श्री शाउमावि स्कूल में हैं। मतदान केंद्र क्रमांक 274 पर 515 महिला 555 पुरुष, 275 पर 516 महिला 545 पुरुष, 276 पर 494 महिला 513 पुरुष एवं आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 277 पर 370 महिला एवं 388 पुरुष मतदाता है। 1895 महिला एवं 2001 पुरुष कुल 3896 मतदाता मतदान करेंगे।

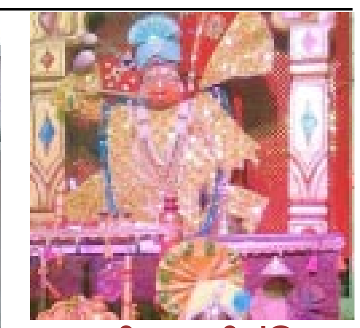

उत्तरमुखी बालाजी मंदिर पर कल अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय रामघाट प्रतापगढ रोड स्थित श्री उत्तरमुखी बालाजी मंदिर पर 18 नवम्बर, शनिवार को सायं 6.30 बजे समिति द्वारा अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन रखा गया है। इस दिन भगवान बालाजी को अन्नकूट का भोग लगाकर प्रसाद भक्तों में वितरित की जाएगी। श्री उत्तरमुखी बालाजी मंदिर समिति ने धर्मप्रेमी सज्जनों एवं मातृशक्ति से अनुरोध है कि कार्यक्रम में पधारकर धर्मलाभ प्राप्त व प्रसाद ग्रहण करे। उक्त जानकारी कमलेश सिसौदिया ने दी।

जानीबाई तेलकार का निधन

लूनाहेड़ा, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गांव लूनाहेडा के तेली समाज के स्व.चंपालाल जी की धर्म पत्नी, देवीलाल ,स्व. गोपाल, कमलेश,किशोर की माता व सुनिल तेलकार की दादी श्रीमती जानीबाई तेलकार का 95 वर्ष की उम्र में गुरुवार को उनके स्थान पर निधन हो गया। जिनकी अंतिम शवयात्रा में समाजजनों व ग्रामीणजनो ने मुक्तीधाम पर श्रंदाजंलि अर्पित की।

मतदाताओं को पीले चावल देकर मतदान के लिए किया जा रहा आमंत्रित

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवम्बर को प्रात: 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रत्येक मतदाता को मताधिकार के उपयोग के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है। स्?वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान में कई नवाचारों से मतदाताओं को प्रेरित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग की सभी परियोजनाओं में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को पीले चावल देकर 17 नवम्बर को मतदान के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। मतदान केंद्र पर मतदाताओं की पहचान के लिए 12 दस्तावेजों निर्धारित किये गए है। इन 12 दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज़ होने पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। इन दस्तावेजों के अंतर्गत आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, मनरेगा जॉब कार्ड, सर्विस पहचान पत्र, पासबुक, स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, पेंशन दस्तावेज व सरकारी पहचान पत्र को शामिल किए गए हैं। इनमें से कोई भी एक दस्तावेज़ होने पर आपको अपने मत का प्रयोग करने से कोई भी नहीं रोक सकता है, तो आओ हम सब मिलकर एक मजबूत लोकतंत्र को बनाने के लिए सभी मतदान करें।

बिना लाइन में लगे वोट डाल सकेंगे दिव्यांग मतदाता

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 में अधिक से अधिक दिव्यांग मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें इसके लिए निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार क्षेत्र में विशेष व्यवस्थायें की जा रही हैं। दिव्यांग मतदाताओं के लिए प्रत्येक मतदान केन्द्र में जहां रैम्प बनाये गये हैं, वहीं व्हीलचेयर एवं ट्राइसाइकिल की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। दिव्यांग मतदाताओं को मतदान में किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए उन्हें विशेष छूट देते हुए तीन पहिया वाहन सीधे मतदान कक्ष तक जाने की अनुमति दी जायेगी। दिव्यांग मतदाताओं को बिना कतार में लगे सीधे मतदान करने की अनुमति भी होगी। दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केन्द्र तक आने-जाने के लिए वाहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी। दिव्यांग मतदाताओं के अलावा निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बुजुर्ग मतदाताओं और गर्भवती मतदाताओं के लिए भी विशेष व्यवस्थायें की गई हैं।

जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के 743 मतदान केन्द्रों के लिए सामग्री लेकर दल रवाना, आज होगा मतदान

कलेक्टर ने अपनी देख-रेख में सामग्री वितरीत कराई , प्रेक्षकगणों ने भी मतदान सामग्री वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया

नीमच, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत 17 नवंबर को होने वाले निर्वाचन के मतदान के लिए गुरूवार को नीमच जिले के सभी तीनों विधानसभा क्षेत्रों के निर्धारित मतदान केन्द्रों के लिए सामग्री लेकर मतदान दल शासकीय पीजी कॉलेज नीमच से निर्धारित वाहनों से रवाना हुए। सुबह 7.30 बजे से सामग्री वितरण कार्य कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीमच श्री दिनेश जैन,एडीएम सुश्री नेहा मीना, सीईओ श्री गुरूप्रसाद की देखरेख में संबंधित विधानसभा के रिटर्निंग आफीसरों ने मतदान दलों को रवाना किया। प्रेक्षक श्रीमती जे.विजयारानी एवं किशन नारायणराव जावले ने भी ने मतदान सामग्री वितरण की सुगम व्यवस्था का निरीक्षण किया और संतोष व्यक्त किया।

मतदान सामग्री वितरण स्थल शासकीय पीजी कॉलेज परिसर नीमच में सभी 3 विधानसभा क्षेत्रों की मतदान सामग्री वितरण की सुगम व्यवस्था की गई। मतदान दलों को सामग्री मतदान केन्द्रवार लगाए गए टेबल पर ही उपलब्ध करवाई गई। मतदान दलों ने जिला प्रशासन सामग्री वितरण व्यवस्था के लिए की गई बेहतर व्यदवस्थाज की सराहना की। मतदान दलों को वीवीपेट, बैलेट यूनिट और कंट्रोल यूनिट भी उनके टेबल पर ही पहुँचाई गई, जिससे किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई। लगभग 10.30 बजे से मतदान दलों और पुलिस बल को लेकर निर्धारित वाहनो से मतदान केन्द्रों के लिए रवाना हुए। पीजी कॉलेज नीमच पर सामग्री वितरण के लिए विधानसभा नीमच, जावद एवं मनासा के लिए अलग-अलग तीन वितरण केन्द्रॉ सेक्टसर वार काउन्टलर बनाये गये है। इन काउंटर के सामने ही मतदान केन्द्रों का टेबल लगाई गई थी। जहाँ मतदान दलों ने बैठकर, सामग्री प्राप्त की और मिलान भी किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन, एडीएम सुश्री नेहा मीना, सीईओ श्री गुरूप्रसाद, प्रेक्षक श्रीमती जे.विजयारानी ने सामग्री वितरण स्थल का निरीक्षण एवं सामग्री वितरण की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। कलेक्टर ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के काउंटर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मतदान दल में लगे अधिकारियों तथा कर्मचारियों से चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन किया। कलेक्टर ने सामान्य प्रेक्षकगणों को भी संपूर्ण व्यवस्था का निरीक्षण करवाया।

राष्ट्रहित में किया गया मतदान हमारे सुखद भविष्य का निर्माण करता है

समाज के प्रतिनिधियों ने शत प्रतिशत मतदान की शपथ ली

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा चुनाव में आहुति देने के लिये मतदान के एक दिवस पूर्व स्थानीय दयामंदिर परिसर पर विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों द्वारा शत प्रतिशत मतदान करने की शपथ ली। समाज प्रतिनिधियों ने कहा कि लोकतंत्र में एक-एक व्यक्ति के मतदान का कितना महत्व होता है यह हम सभी जानते हैं। राष्ट्रहित में किया गया मतदान हमारे सुखद भविष्य का निर्माण करता है। यहां उपस्थित लोगों ने जाति धर्म से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में मतदान करने की शपथ ली। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में 18 से लेकर 80 वर्ष तक के लोग उपस्थित थे जिन्होंने स्वयं परिवार एवं पड़ोसी के साथ राष्ट्रहित में मतदान करने का संकल्प लिया।

मतदान की शपथ प्रदीप भाटी द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री फकीरचंद सैनी (दयामंदिर), पूर्व चोकरा अध्यक्ष नंदराम माली, नंदकिशोर राठौर पटेल, माली समाज के प्रदीप भाटी, वरिष्ठ एडवोकेट डी.एल. लिलोरिया, पोरवाल समाज के कमल पोरवाल, गुजराती सेन समाज के मुकेश सोलंकी, स्वर्णकार समाज के सत्यनारायण सोनी, रविंद्र पाण्डे, सौरभ शर्मा, चंद्रकांत शर्मा, सांवरिया मित्र मंडल के संयोजक बाबूलाल राठौर, निरंजन चंदेल, मोहनलाल गहलोत, डॉ. भेरूलाल राठौड़ मोहनलाल दायमा, प्रभुलाल महावर दिनेश परमार, हरीश रावलिया किशोर गहलोत, कन्हैयालाल गहलोत, कैलाश माली, महेश भाटी, ओम प्रकाश सैनी, रमेशचंद्र सैनी शिव टेंट, ओम प्रकाश माली, किशन माली, अंकित गहलोत आदि उपस्थित थे।

मतदाताओं को दिलाई जा रही शपथ

मंदसौर, 16 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शपथ दिलाई जा रही हैं। ''हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे । तरह तरह की गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। यह गतिविधि हाट बाजार, मेलो, चौराहों पर की जा रही है। साथ मतदान केंद्रों पर जाकर ईवीएम को चलाना, मतदान का महत्व, लोकतंत्र का महत्व आदि के बारे में मतदाताओं को बताया जा रहा है। जिससे मतदाताओं में जागरूकता उत्पन्न हो।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in